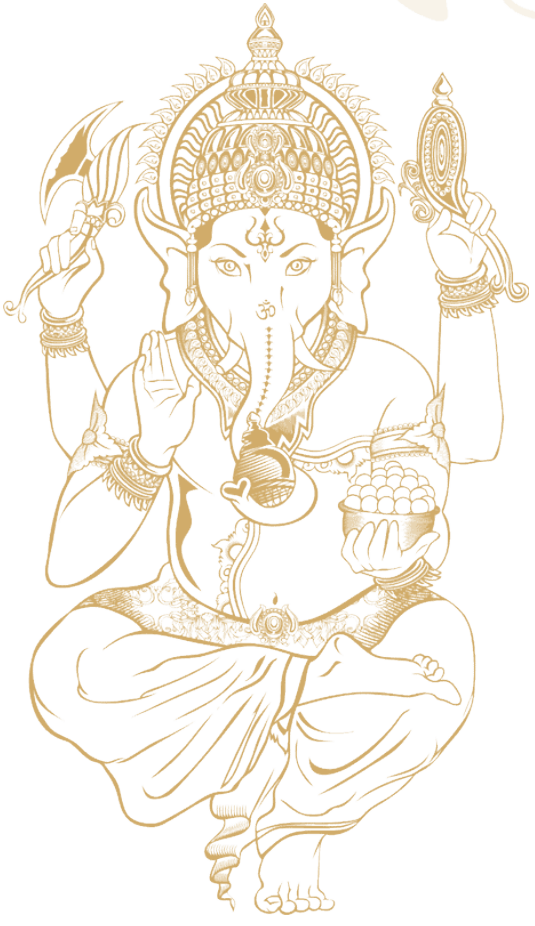

Ferozpur suresh

Gagan

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121925112

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
1-02/11/1993	जन्म तिथि	06/12/1997
सोम-मंगलवार	दिन	शनिवार
घंटे 03:00:00	जन्म समय	11:27:00 घंटे
घटी 50:33:28	जन्म समय(घटी)	10:28:14 घटी
India	देश	India
Firozpur	स्थान	Abohar
30:55:00 उत्तर	अक्षांश	30:09:00 उत्तर
74:38:00 पूर्व	रेखांश	74:11:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:31:28	स्थानिक संस्कार	-00:33:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:46:36	सूर्योदय	07:15:47
17:42:29	सूर्यास्त	17:32:50
23:46:29	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:36

विंशोत्तरी
चन्द्र 8वर्ष 6मा 9दि

राहु

13/05/2009
13/05/2027

राहु	24/01/2012
गुरु	18/06/2014
शनि	24/04/2017
बुध	12/11/2019
केतु	29/11/2020
शुक्र	30/11/2023
सूर्य	24/10/2024
चन्द्र	25/04/2026
मंगल	13/05/2027

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	सिंह	26:07:05
सूर्य	तुला	15:42:09
चंद्र	वृष	11:57:53
मंगल	वृश्चि	00:59:48
बुध	तुला व	25:09:46
गुरु	तुला	04:24:59
शुक्र	कन्या	27:14:02
शनि व	मक	29:52:41
राहु व	वृश्चि	09:16:32
केतु व	वृष	09:16:32
हर्ष	धनु	24:58:49
नेप	धनु	24:53:47
प्लूटो	वृश्चि	01:01:19

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	मक	22:42:06
सूर्य	वृश्चि	20:19:18
चंद्र	कुंभ	07:14:08
मंगल	धनु	26:48:45
बुध	धनु	09:21:59
गुरु	मक	23:33:58
शुक्र	मक	02:45:42
शनि व	मीन	19:48:07
राहु व	सिंह	21:16:53
केतु व	कुंभ	21:16:53
हर्ष	मक	12:03:15
नेप	मक	04:15:33
प्लूटो	वृश्चि	11:58:50

विंशोत्तरी
राहु 17वर्ष 2मा 23दि

गुरु

01/03/2015
01/03/2031

गुरु	18/04/2017
शनि	30/10/2019
बुध	04/02/2022
केतु	11/01/2023
शुक्र	11/09/2025
सूर्य	30/06/2026
चन्द्र	30/10/2027
मंगल	05/10/2028
राहु	01/03/2031

लग्न-चलित

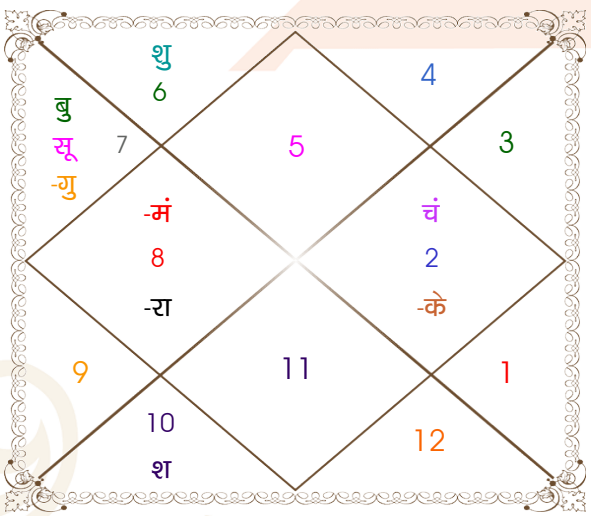

लग्न-चलित

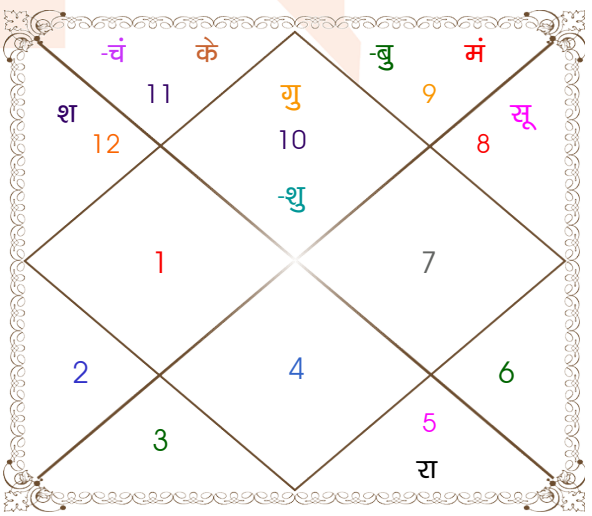

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृष	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

Ferozpur suresh का वर्ग गरूड़ है तथा Gagan का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Ferozpur suresh और Gagan का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Ferozpur suresh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल Ferozpur suresh कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ferozpur suresh कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।

न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Ferozpur suresh कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Gagan मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Gagan कि कुण्डली में द्वादश भाव में धनु राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Gagan कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ferozpur suresh कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Ferozpur suresh तथा Gagan में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।